बग़दाद वाले मीराँ रोशन-ज़मीर!

मेरे पीरान-ए-पीर मेरे पीरान-ए-पीर
मेरे पीरान-ए-पीर! मेरे पीरान-ए-पीर!

बग़दाद वाले मीराँ रोशन-ज़मीर!
मेरे पीरान-ए-पीर! मेरे पीरान-ए-पीर!

मौला अली के तुम हो दुलारे
ज़हरा की आँखों के तारे
जूद-ओ-सखा है तेरी बे-नज़ीर

मेरे पीरान-ए-पीर! मेरे पीरान-ए-पीर!

बग़दाद वाले मीराँ रोशन-ज़मीर!
मेरे पीरान-ए-पीर! मेरे पीरान-ए-पीर!

अल्लाह अल्लाह! ये उनका रुत्बा
दीन-ए-खुदा के वो हैं मसीहा
ख़ल्क़-ए-खुदा के हैं दस्तगीर
मेरे पीरान-ए-पीर! मेरे पीरान-ए-पीर!

बग़दाद वाले मीराँ रोशन-ज़मीर!
मेरे पीरान-ए-पीर! मेरे पीरान-ए-पीर!

राह-ए-यक़ीन पर तुम ने चलाया
बंदों को रब से तुम ने मिलाया
वल्लाह! सब हैं तुम्हारे असीर
मेरे पीरान-ए-पीर! मेरे पीरान-ए-पीर!

बग़दाद वाले मीराँ रोशन-ज़मीर!
मेरे पीरान-ए-पीर! मेरे पीरान-ए-पीर!

जब से तुम्हारे दर पे गिरा हूँ
इज़्ज़त की मस्नद पे खड़ा हूँ
कहलाता हूँ तुम्हारा फ़क़ीर
मेरे पीरान-ए-पीर! मेरे पीरान-ए-पीर!

बग़दाद वाले मीराँ रोशन-ज़मीर!
मेरे पीरान-ए-पीर! मेरे पीरान-ए-पीर!

आ जाना तुम क़ब्र में मेरी
होगी वहाँ पर सख़्त अँधेरी
मुझको सताएँ न मुनकर-नकीर
मेरे पीरान-ए-पीर! मेरे पीरान-ए-पीर!

बग़दाद वाले मीराँ रोशन-ज़मीर!
मेरे पीरान-ए-पीर! मेरे पीरान-ए-पीर!

तेरे ही क़दमों की बदौलत
है मेरी संसार में इज़्ज़त
कैसे चले कोई मुझ पर तीर
मेरे पीरान-ए-पीर! मेरे पीरान-ए-पीर!

बग़दाद वाले मीराँ रोशन-ज़मीर!
मेरे पीरान-ए-पीर! मेरे पीरान-ए-पीर!

यामीन-ए-बेकस पे करम हो
है जो दूरी काश! वो कम हो
हो दस्तगीरी, ऐ दस्तगीर!
मेरे पीरान-ए-पीर! मेरे पीरान-ए-पीर!

बग़दाद वाले मीराँ रोशन-ज़मीर!
मेरे पीरान-ए-पीर! मेरे पीरान-ए-पीर!